केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 216 शुक्रवार 27 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

भारत–इजरायल के बीच कई बड़े समझौते

तेल अवीव (आभा)। इजरायल दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संयुक्त बयान में साफ किया कि भारत और इजरायल के बीच जल्द ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (मुक्त व्यापार समझौता) को अंतिम रूप दिया जाएगा, जोकि दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

इजरायल दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कई बड़े ऐलान किए। इसमें दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा, जोकि दोनों के लिए फायदेमंद होगा। हाल ही में भारत ने यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ एफटीए का करार किया है। मोदी ने इजरायल की अपनी दो दिन की यात्रा के आखिर में कहा कि दोनों देश डिफेंस में जॉइंट डेवलपमेंट, प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर पर भी काम करेंगे।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतन्याहू को उनके और उनके डेलीगेशन के गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। नेसेट मेडल के स्पीकर का अवॉर्ड मिलने का जिक्र करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि वह यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों और भारत और इजरायल के बीच हमेशा रहने वाली दोस्ती को समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता गहरे भरोसे, साझा डेमोक्रेटिक मूल्यों की मजबूत नींव पर बना है... हमारे रिश्ते समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। रूप देना, डिफेंस और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर आदि शामिल है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजरायल के बीच जल्द ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (मुक्त व्यापार समझौता) को अंतिम रूप दिया जाएगा, जोकि दोनों के लिए फायदेमंद

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में बीएसए कार्यालय पर गरजे शिक्षक, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी पास करने की अनिवार्यता के विरोध में जिले के हजारों शिक्षकों ने गुरुवार को बीएसए कार्यालय के प्रांगण में धरना देकर पैदल मार्च करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में सभी संगठनो ने एक साथ मिलकर टीईटी पास करने की अनिवार्यता से मुक्त किए जाने की मांग किया। शिक्षकों का कहना था कि 1 सितंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार के 2017 के शासनादेश के क्रम में सेवारत शिक्षकों के लिए भी टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है, जबकि सभी शिक्षक नियुक्ति के समय निर्धारित मानकों को पूरा कर ही सेवा में आए थे। सरकार का यह निर्णय न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि लाखों परिवारों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। धरने को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर जबरन टीईटी अनिवार्यता की जा रही है ।शिक्षको ने नियुक्ति के सभी सभी मानक पूर्ण किये थे उस समय सभी परीक्षा पास की थी लेकिन आज सरकार की गलत नीतियों के कारण शिक्षक आज हाशिये पर है। कहा कि

–जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी शिक्षकों के सम्मान की लड़ाई – चन्द्रिका सिंह'

शिक्षकों के सम्मान की लड़ाई जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी। जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल ने कहा कि यह संकट का समय है और इस संकट के समय में हम सभी को एकजुट होकर इस काले कानून के खिलाफ लड़ाई लड़नी है। जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा, जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, रवीश मिश्र ने कहा कि सरकार की उदासीनता को देखते हुए शिक्षकों ने दिल्ली में विशाल धरने को लेकर रणनीति बनाई है और आने वाले समय मे शिक्षक अब रामलीला मैदान में पहुँचकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध करेंगे। धरने को शिव रतन, उमाकांत शुक्ल, राजकुमार तिवारी, अविनाश दूबे, राजेश गिरी, अशोक यादव, विवेक कान्त पाण्डेय, सनद पटेल, अटल उपाध्याय, प्रमोद सिंह, बब्बन पाण्डेय, रामसागर वर्मा, विवेक सिंह, सन्तोष पाण्डेय, हरिओम यादव, अखिलेश पाण्डेय, बृजेश त्रिपाठी, हरेंद्र यादव, सत्य प्रकाश, राम प्यारे, सनद पटेल, विजय यादव, अनीश, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, सुरेश गौड़, प्रवीण श्रीवास्तव, अनिल पाठक, सीनियर शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण सिंह, जिलाध्यक्ष शिवशंकर पाण्डेय, सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय भान दूबे, शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शुक्ल आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान और उनकी रोजी–रोटी की सुरक्षा के लिए पूरा शिक्षक समाज एकजुट है। शिक्षकों को अगर टीईटी से मुक्ति नही मिली तो सरकार को बदलने की भी तैयारी शिक्षक और उनका परिवार करेगा। ६ ारने का संचालन समीउल्लाह अंसारी ने किया।

धरने और पैदल मार्च में मुख्य रूप से कंचनमाला त्रिपाठी, रीता सिंह, रंजन सिंह, दिनेश सिंह, नीलू द्विवेदी, विनीता त्रिपाठी, मंगला मौर्य, रजनीश यादव, रुकुनुद्दीन, कुसुम कुमारी, गीता सिंह, चंद्र द्विवेदी, चंद्रमोहन, पवन यादव, राम रंग, फौजिया सिद्दीकी, चन्दना सिंह, सुनीता चौधरी, दुर्गेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, धीरज सिंह, देवेंद्र चौधरी, हरिश्चंद्र चौधरी, गौरव चौधरी, आज्ञाराम वर्मा, उपेंद्र पाण्डेय, इंद्रजीत, वेदप्रकाश, फूलचंद चौधरी, राजेश कुमार, वंदना त्रिपाठी, राम सूरत, विनोद कुमार, बालमुकुंद चौधरी, साधना पाठक, शारदा, बी पी आनंद, जितेंद्र कुमार, महादेव वर्मा, सुनील सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

मकान निर्माण रोकने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के विजलपुर निवासी मुरारी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नया मकान निर्माण रोकने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

डीएम को दिये पत्र में मुरारी ने कहा है कि गांव में डीही जमीन पर दीवाल पूर्वजों के जमाने से लगा हुआ है जिस पर वह अपना नया मकान बनाना चाहता है लेकिन अर्जुन पुत्र सोहरत व सुनील पुत्र राजमन व रामावती पत्नी राजमन द्वारा दीवाल बनाने में अवरोध पैदा करते है । एक फर्जी स्टाम्प दिखाकर यह कहते है कि हम लोगों द्वारा डीही जमीन का बैनामा लिया गया

–आजाद समाज पार्टी ने दिया आन्दोलन की चेतावनी

है। जबकि उनके परिवार के द्वारा कोई बैनामा नही किया गया है । रुधौली थाने पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई, इससे विरोधियों का मनोबल बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में किसी अन्य अधिकारी से जांच कराकर पुराने नींव पर दीवाल लगाया जाने की मांग किया है।

पत्र देने के दौरान आजाद समाज पार्टी जिला उपाध्यक्ष सोनू चौधरी ने कहा कि पीड़ित को न्याय न मिला तो आन्दोलन किया जायेगा।

नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक में 12 करोड के विकास कार्यों का प्रस्ताव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष की बजट पर चर्चा के साथ ही खेल का मैदान, पार्क, मार्केट, सड़क, नाली, विवाह घर आदि के लिये लगभग 12 करोड़ रूपये का प्रस्ताव रखा गया।

अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने कहा कि गनेशपुर की जनता से जो वायदे किये गये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जा रहा है। नागरिकों को बेहतर सुविधा दिलाना उनकी प्राथमिकता है। बैठक में सभी वार्ड में पेयजल की व्यवस्था हेतु आरओ एवं नई टंकी का निर्माण किया जाने, निकाय की आय हेतु तालाब नीलामी, दुकान लाइसेंस, भवन मानचित्र हाउस टैक्स आदि से धन अर्जित किए जाने पर चर्चा की गई। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बोर्ड की बैठक में जो प्रस्ताव आये हैं उसे धन प्राप्त होते ही पूरा कराया जायेगा।

बैठक में सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूक, सुमन, गणेश कुमार, शिव नरायन, दुर्गेश, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार आदि ने अपने–अपने वार्डो की समस्याओं को रखा और विकास कार्य कराने पर जोर दिया। बोर्ड की बैठक सम्पन्न कराने में दुर्गा प्रसाद चौधरी, मो. आफिफ, रिंकू, विकास, सूरज, सुधीर आदि ने योगदान दिया।

–समग्र विकास हमारी प्राथमिकता– सोनमती चौधरी

सल्टौआ उप डाकघर में आधार सेवाएं शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद बस्ती के उप डाकघर सल्टौआ में अब आधार कार्ड से संबंधित सभी कार्य किए जाएंगे। यह सुविधा प्रत्येक सप्ताह बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध रहेगी। उप डाकघर सल्टौआ में आधार से जुड़े कार्य सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किए जाएंगे। इसमें आधार नामांकन, अपडेट तथा अन्य आवश्यक सेवाएं शामिल होंगी, जिससे क्षेत्रीय लोगों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए पोस्टमास्टर मनोज कुमार ने बताया कि आधार सेवाएं शुरू होने से आसपास के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्र के लोगों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। डाकघर में ही निर्धारित दिनों पर सभी आधार संबंधी कार्य समयबद्ध तरीके से संपन्न कराए जाएंगे।

उल्लास के साथ मनाया गया राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का 61 वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का 61 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब सभागार में उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा के संयोजन में परिषद के सेवा निवृत्त कर्मचारी नेताओं को अंग वस्त्र, प्रशस्ति–पत्र भेंटकर फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया गया।

परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने स्वर्गीय बी. एन. सिंह, पी.एन. शुक्ल का स्मरण करते हुये कहा कि आज कर्मचारियों को जो सुविधायें प्राप्त हो रही हैं उसके पीछे हमारे पूर्वज नेताओं के संघर्ष का लम्बा इतिहास है। परिषद के जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि पिछले 60 वर्षों में अनेक आन्दोलन किये गये, कर्मचारी नेता जेल, गये लातियां खाई, बर्खास्त हुये किन्तु अपने मुद्दों से पीछे नहीं हटे। ऐसे महान नेताओं से प्रेरणा लेकर हमें पुरानी पेंशन नीति बहाल करने की मांग को लेकर एकजुटता बनाये रखनी होगी, यही पूर्वज नेताओं के प्रति भी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

परिषद के 61 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने कहा कि सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने परिवार के हैं। इन्हें सम्मानित करना बड़ा अवसर है। कोषागार से सम्बंधित सभी समस्याओं का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाता है।

कार्यक्रम में कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के मंत्री आशीष कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी संघ अध्यक्ष अरुणेश पाल, ग्राम विकास अधिकारी संघ मंत्री सुधीर सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ अध्यक्ष ई0 अभिषेक सिंह, ग्राम विकास अधिकारी संघ के मण्डल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, ट्यूबेल टेक्निकल इम्पलाइज एसोसिएशन अध्यक्ष सन्तोष राव, ई. राजेश श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक संघ अध्यक्ष अजय सिंह, बोरिंग टेक्निशियन लघु सिंचाई अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन अध्यक्ष शीतल गुप्ता, आई.टी.आई कर्मचारी संघ अध्यक्ष हरिशंकर, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ अध्यक्ष अभिषेक सिंह, पेंशनर्स कल्याण संस्थाध्यक्ष जलालुद्दीन आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि 61 वां स्थापना दिवस समीक्षा और संकल्प का दिन है। हम सब शपथ लें कि जब तक पुरानी पेंशन नीति बहाल नहीं होती आन्दोलनों में पूरी ताकत झोंक दें।

इस अवसर पर परिषद से सम्बद्ध सेवा निवृत्त कर्मचारी रामधानी चौधरी, प्रदीप श्रीवास्तव, रामानुज शुक्ल, राधेश्याम, सालिगराम वर्मा, उदयपाल, सिद्धू, प्रसाद, एस.आर. कन्नौजिया, श्रीमती मंजू सिंह पाल, श्रीमती भारती सिंह, योगेन्द्र यादव, जे.पी.एन. सिंह, कौशल चौधरी, उपेन्द्र सिंह को उनके योगदान के लिये अंग वस्त्र, प्रशस्ति–पत्र भेंटकर फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ल के साथ ही परिषद के प्रमोद शुक्ल, मंशाराम चौधरी, उमेश, सुभाष चन्द्र पाण्डेय, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, अखिलेश शुक्ल, रामचरन, विश्वनाथ श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, दिलीप वर्मा, अनूप वर्मा, हरिकिशोर, अविनाश कुमार, मो. अजहर, राम प्रकाश, रूद्र नरायन रूदल, राम बचन भारती, अशोक चौहान, राम भरत पाल, के साथ ही सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

–सम्मानित किये गये सेवानिवृत्त कर्मचारी

–अधिकारों के लिये संघर्ष का निर्णय, एकजुटता पर जोर

भारत हिन्दू राष्ट्र बनकर रहेगा–रामभद्राचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में गुरूवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरु वशिष्ठ रामायण कथा के नौवे दिन कथा को विश्राम देते हुये श्रीराम वनवास, चित्रकूट सभा, सीता हरण, लक्ष्मण मूर्छा, आदि के अनेक प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत हिन्दू राष्ट्र बनकर रहेगा। रामभद्राचार्य ने कथा क्रम में एक बार फिर यूजीसी के नये नियमों का प्रकरण उठाते हुये इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि भारत में जातियां थी लेकिन जातिवाद कभी नहीं था। सत्ता के भेडिये जातिवाद उत्पन्न कर रहे हैं। श्रीराम ने निषाद राज, सबरी को प्रतिष्ठा दी, यहां कहां जातिवाद है। रामभद्राचार्य ने कहा कि हिन्दुओं को बौद्ध, इसाई, मुसलमान नहीं होने देंगे, 80 प्रतिशत भारतीय हिन्दू रहेंगे। उनकी इच्छा है कि भारत हिन्दुस्थान बने।

दशरथ मरण, चित्रकूट सभा , चरण पादुका के महत्व और अनेक विन्दुओं पर शोधपरक कथा क्रम में रामभद्राचार्य ने कहा कि भगवान के भजन के बिना जलन नहीं जाती। संसार में भजन के लिये चित्रकूट से पवित्र कोई स्थान नहीं। जीवात्मा को परमात्मा को पाना है तो महात्मा के

–भारत में जातियां थी लेकिन जातिवाद कभी नहीं था
–यूजीसी नियम के बहाने सत्ता के भेडिये जातिवाद उत्पन्न कर रहे हैं
– बढनी मिश्र के साथ ही सभी तीर्थों का विकास होगा
–जीवात्मा को परमात्मा को पाना है तो महात्मा के पास जाना पड़ेगा
–यज्ञ, हवन, भण्डारे के साथ गुरू वशिष्ठ रामायण कथा सम्पन्न

पास जाना पड़ेगा। अयोध्या में श्री भरत हनुमान जी संवाद, रावण के आतंकवाद, सीता हरण सहित अनेक विन्दुओं की व्याख्या और कथा को विश्राम देते हुये रामभद्राचार्य ने कहा कि वे मखौड़ा धाम गये थे। अब बढनी मिश्र के साथ ही सभी तीर्थों का विकास होगा।

तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास जी महाराज ने गुरू वंदना किया।

मुख्य यजमान चंद्र भूषण मिश्रा और कथा संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने विश्राम अवसर पर कहा कि गुरु कृपा से बढनी मिश्र में संसार की पहली महर्षि वशिष्ठ कथा गुरु कृपा से हवन, भण्डारे के साथ सम्पन्न हुई। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना, तहसीलदार वीर बहादुर सिंह , के.के.सिंह ब्लाक प्रमुख यशोवर्धन सिंह , ई. वीरेंद्र मिश्रा , नितीश पाण्डेय मनु , विकास मिश्रा , सीताराम तिवारी , ज्योति तिवारी , नीलम शुक्ला , हरिशंकर पांडेय , अविनाश मिश्रा , वैभव मिश्रा , पप्पू मिश्रा , प्रांशु , अभय सिंह , नमन उपाध्याय , प्रधान पल्लू सिंह , सुरेश चंद्र मिश्रा , प्रीति श्रीवास्तव, ममता सिंह , आयुष सिंह , रमाकांत मिश्रा , पद्मावती मिश्रा , अनिरुद्ध मिश्रा , विमलेश मिश्रा , राजेश त्रिपाठी, नीलम त्रिपाठी, हनुमान , अभिषेक उपाध्याय , दीपचंद्र , सतीश मिश्रा , अनिल मिश्रा ,आदित्य पाण्डेय , शिवाकांत , नितिन मिश्रा , राधेश्याम पाण्डेय , आदेश मिश्रा , रौनक मिश्रा, रणजीत सिंह , कैलाश मोहन श्रीवास्तव , जगदीश पाण्डेय , आशीष सिंह , विजय श्रीवास्तव, चंद्रमनी मिश्रा , श्रुति अग्रहरि के साथ ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

कवि सम्मेलन

महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढनी मिश्र में कथा से पूर्व वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल जगमग की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संचालन विनोद उपाध्याय ने किया। अपनी माटी पर काव्य पाठ करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा– ' बढनी की धरती हर्षायी, चहक उठी मन की अमराई, जहां राम ने शिक्षा ली थी, वही पे मैंने शिक्षा पायी' को सराहा गया। डॉ. राम कृष्ण लाल जगमग की पंक्तियां – अवधपुरी के राज पुरोहित गुरु वशिष्ठ को कोटि प्रणाम, जिनका सदा नमन करते थे मर्यादा पुरुषोत्तम राम' ने मंच को ऊंचाई दी। विनोद उपाध्याय ने बस्ती की गाथा सुनाई। कवि सम्मेलन में महेश श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, राजेश मिश्र, शिवा त्रिपाठी, वेद प्रकाश प्रचण्ड, शैलजा पाण्डेय, तेज प्रकाश शुक्ल, अजीत श्रीवास्तव 'राज' अभिषेक श्रीवास्तव, सुशील सिंह काथिक, ने ६ ार्मिक रचनायें सुनाकर वातावरण को सरस किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

महर्षि वशिष्ठ आश्रम में नौ दिवसीय रामकथा के शुभारंभ से पूर्व एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के मंच पर आगमन से पहले अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज के खानदान की 13वीं पीढ़ी से जुड़े कलाकार अनुप और उनकी धर्मपत्नी नेहा की युगल प्रस्तुति रही। दोनों कलाकारों ने कथक शैली में 'राम विवाह' प्रसंग को जीवंत कर दिया। भगवान श्रीराम और माता सीता के स्वयंवर से लेकर विवाह तक के दृश्यों को भावपूर्ण मुद्राओं, सधे हुए पदचालन और घुंघरुओं की मधुर झंकार के साथ प्रस्तुत किया गया। जगद्गुरु के आगमन से पूर्व आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम ने रामकथा के लिए भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा पंडाल तालियों की गूंज से भर उठा। विभिन्न आध्यात्मिक अनुष्ठानों के साथ कथा सम्पन्न हुई। संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

धम्म चारिका में दिया महात्मा बुद्ध का संदेशः स्वच्छता के महानायक संत गाडगे के योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के गोसेसीपुर में महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं के प्रचार प्रसार हेतु धम्म चारिका का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में स्वच्छता के महानायक संत गाडगे के जयंती उपलक्ष्य में वक्ताओं ने योगदान पर विचार विमर्श किया।

समाजसेवी रविन्द्र राना कन्नौजिया और डॉ. अनिल कुमार रंजन के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में भन्ते प्रज्ञानन्द भिक्खू संघ बेहिल मुख्य अतिथि के रूप में भोजन दान करा कर , भिखु संघ द्वारा धम्म देशना का कार्य सम्पन्न कराते हुये जन–कल्याण, शांति और ज्ञान के प्रसार हेतु महात्मा बुद्ध के संदेशों को आत्मसात करने का आवाहन किया।

मुख्य वक्ता बी.पी. सक्सेना, प्रदीप कुमार गौतम, के.सी. मौर्य, समाजसेवी के.पी. राठौर, एडवोकेट अनूप कुमार, रामचेत निराला ने कहा कि गौतम बुद्ध का मुख्य संदेश शांति, करुणा, अहिंसा का पालन करना है। उन्होंने बताया कि जीवन दुखों से भरा है, लेकिन सही ज्ञान से इन्हें दूर किया जा सकता है। बुद्ध के अनुसार, व्यक्ति को अपने मन और क्रोध पर विजय पानी चाहिए, अतीत या भविष्य की चिंता छोड़कर वर्तमान में जीना चाहिए, और स्वयं के मोक्ष के लिए खुद ही प्रयास करना । वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता के महानायक संत गाडगे के जीवन से युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

कार्यक्रम में मिशनरी गायक मनीष कुमार प्रेमी और राजकुमार के गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को सरस बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष भूमिका आर पी गौतम व मनमोहन भारती ग्रुप का रहा, जिन्होंने अपने गीतों से समाज में एक नई चेतना व अपने महापुरुषों के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किया

आयोजक रविंद्र कनौजिया और डॉ. अनिल कुमार रंजन ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि पिछड़े और उपेक्षित समाज को ऊपर उठाने , समाज में एक नई ऊर्जा व अपने समाज के संतों गुरुओं और महापुरुषों के प्रति जानकारी रखना हम सबका दायित्व है।

कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार रंजन, बंसीलाल गौतम, हकीम भगत सिंह, रामचंद्र, सतीश राव, सूरज कुमार गौतम, ब्रिज कुमार, डॉ. शत्रुघ्न, विशाल यादव, पिंटू गौतम, राजेश कन्नौजिया, धर्मेंद्र कनौजिया रामू कनौजिया के साथ ही स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 फरवरी 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

मताधिकार रक्षा की प्रतिबद्धता

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े विवादित दावों को निपटाने के लिए न्यायिक अधिकारियों की मदद लेने का ऐतिहासिक आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी गतिरोध को देखते हुए यह फैसला सुनाया। बाद में उसने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ती है, तो ओडिशा और झारखंड के न्यायिक अधिकारियों को बंगाल में मतदाता सूची से संबंधित दावों और आपत्तियों को तय करने के लिए लगाया जा सकता है।

यह हस्तक्षेप केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया को गति देने का उपाय नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उस मूल आत्मा की रक्षा का संवैधानिक संकल्प है, जिसका आधार प्रत्येक नागरिक का निर्बाध और सुरक्षित मताधिकार है। जब मतदाता सूची जैसे मूल दस्तावेज की शुचिता पर प्रश्न उठ खड़े हों और लाखों नागरिकों की लोकतांत्रिक पहचान पर संशय हो, तब न्यायपालिका का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने का एक निर्णायक प्रयास बन जाता है।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति चुनाव में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित होती है, जिसके साथ नागरिक चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यह विश्वास मतदाता सूची से प्रारंभ होता है। मतदाता सूची केवल नामों का संकलन नहीं, बल्कि नागरिक की संवैधानिक पहचान का प्रमाण है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम इस सूची से अनुपस्थित हो जाता है, तो वह अपने मताधिकार से वंचित हो जाता है और यदि अपात्र व्यक्ति इसमें सम्मिलित हो जाता है तो वह चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करता है। इसीलिए मतदाता सूची की शुचिता, लोकतंत्र की वैधता का आधार है।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्मी चरण सेन बनाम एकेएम हसन (1985) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची की शुद्धता चुनाव की वैधता की आधारशिला है और इसे सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। न्यायालय ने इस पर बल दिया कि मतदाता सूची में त्रुटियां केवल प्रशासनिक चूक नहीं होतीं, बल्कि वे लोकतंत्र की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती हैं। बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान लगभग 45 लाख विवादित मतदाता दावों का लंबित होना इसी संवेदनशील प्रश्न की गंभीरता को दर्शाता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 प्रत्येक वयस्क नागरिक को मताधिकार प्रदान करता है, जो लोकतंत्र में उसकी संप्रभुता की अभिव्यक्ति है। वहीं अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की व्यापक शक्ति देता है, ताकि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहे। हालांकि इन संवैधानिक प्रविधानों की वास्तविक प्रभावशीलता तभी संभव है, जब मतदाता सूची पूर्णत: शुद्ध, अद्यतन और विश्वसनीय हो। यदि इस आधार में ही त्रुटि हो, तो लोकतंत्र की संपूर्ण संरचना प्रभावित होती है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप संविधान के अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 142 के अंतर्गत उसकी संवैधानिक शक्तियों का एक महत्वपूर्ण प्रयोग है।

अनुच्छेद 32 नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय को प्रत्यक्ष हस्तक्षेप का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 142 न्यायालय को श्पूर्ण न्यायश सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है। इन प्रविधानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए असाधारण कदम उठाना आवश्यक हो, तब न्यायपालिका प्रभावी और निर्णायक भूमिका निभा सके। न्यायिक अधिकारियों की सहायता सुनिश्चित करने का निर्णय इसी संवैधानिक दायित्व का प्रकटीकरण है। इस हस्तक्षेप का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को प्रशासनिक विवेक से ऊपर उठाकर न्यायिक विश्वसनीयता प्रदान की गई है। न्यायिक अधिकारी अपनी विधिक समझ के कारण इस प्रकार के संवेदनशील कार्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होते हैं।

यह घटनाक्रम भारतीय संविधान की संस्थागत परिपक्वता का भी सशक्त उदाहरण है। निर्वाचन आयोग, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने–अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए समन्वित भूमिका निभाई है। यह उस संवैधानिक संतुलन का प्रमाण है, जिसमें संस्थाएं केवल अपने अधिकार क्षेत्र तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि राष्ट्रहित और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक अधिकारियों की छुट्टियां रद करना भी इसी संवैधानिक प्राथमिकता का प्रतीक है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि जब लोकतंत्र की मूल प्रक्रिया की शुचिता का प्रश्न हो, तब संस्थागत सुविधा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व सर्वोपरि होता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक व्यापक और दूरगामी संदेश यह भी देता है कि भारत में लोकतंत्र केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक संरक्षित संवैधानिक मूल्य है, जिसकी रक्षा के लिए संविधान और उसकी संस्थाएं सदैव सजग हैं। यह हस्तक्षेप यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव प्रक्रिया का प्रत्येक चरण संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, संवैधानिक प्रतिबद्धता और संस्थागत सजगता का भी सशक्त प्रमाण है। असाधारण परिस्थितियों में लिया गया यह असाधारण निर्णय न केवल मतदाता सूची की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करेगा, बल्कि नागरिकों के उस विश्वास को भी और मजबूत करेगा, जो लोकतंत्र की वास्तविक और स्थायी शक्ति है। यही विश्वास भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और उसकी रक्षा ही संविधान की सर्वोच्च प्रतिबद्धता है।

सिसकते रिश्तेः ये कहां आ गये हम

—ललित गर्ग—

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार–तार कर दे? हर माता–पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन–निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्ट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है–आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा–चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है–कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए–विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता–पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन–मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने–बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

नागरिक पत्रकारिता की बढ़ती भूमिका

—बाबूलाल नागा—

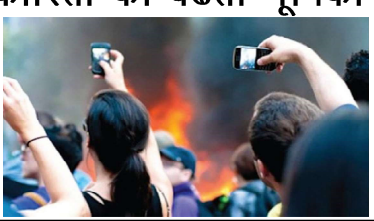

डिजिटल क्रांति के इस दौर में खबरों का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। कभी न्यूजरूम और बड़े मीडिया संस्थानों तक सीमित रहने वाली पत्रकारिता आज आम नागरिक के हाथों में पहुंच गई है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने हर जागरूक व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। यही परिवर्तन "नागरिक पत्रकारिता" के रूप में भारतीय लोकतंत्र में नई ऊर्जा भर रहा है। आज खबर केवल टीवी स्टूडियो में नहीं बनती बल्कि गांव की चौपाल, कस्बे की सड़क, सरकारी अस्पताल, स्कूल और पंचायत भवन से सीधे जनता तक पहुंचती है।

नागरिक पत्रकारिता का अर्थ है आम नागरिक द्वारा सार्वजनिक महत्व की सूचना को तथ्यात्मक और जिम्मेदार तरीके से सामने लाना। इसके लिए किसी प्रेस कार्ड या बड़े मीडिया संस्थान की आवश्यकता नहीं होती। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और स्थानीय डिजिटल समूहों ने सूचना के प्रसार को सहज बना दिया है। परिणामस्वरूप, वह आवाज भी अब सुनी जा रही है जो पहले मुख्यधारा मीडिया तक नहीं पहुंच पाती थी।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में नागरिक पत्रकारिता का महत्व और बढ़ जाता है। हजारों गांव और कस्बे ऐसे हैं जहां की समस्याएं राष्ट्रीय मीडिया की प्राथमिकता में शामिल नहीं हो पातीं। ऐसे में स्थानीय नागरिक जब अपने क्षेत्र की सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य या प्रशासनिक लापरवाही से जुड़े मुद्दों को रिकॉर्ड कर साझा करते हैं, तो वे सीधे व्यवस्था को जवाबदेह बनाते हैं। कई बार सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी पड़ती है। यह लोकतंत्र की सक्रियता का संकेत है।

पिछले कुछ वर्षों में कई घटनाओं ने यह साबित किया है कि नागरिक पत्रकारिता बदलाव की ताकत रखती है। सरकारी कार्यालयों में आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार, अस्पतालों में अव्यवस्था, राशन वितरण में अनियमितता या स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचारकृइन सब मामलों में नागरिकों द्वारा साझा की गई जानकारी ने प्रशासनिक कार्रवाई को प्रेरित किया है। यह दर्शाता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि निरंतर निगरानी और संवाद की प्रक्रिया है।

नागरिक पत्रकारिता का अर्थ है आम नागरिक द्वारा सार्वजनिक महत्व की सूचना को तथ्यात्मक और जिम्मेदार तरीके से सामने लाना। इसके लिए किसी प्रेस कार्ड या बड़े मीडिया संस्थान की आवश्यकता नहीं होती। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और स्थानीय डिजिटल समूहों ने सूचना के प्रसार को सहज बना दिया है। परिणामस्वरूप, वह आवाज भी अब सुनी जा रही है जो पहले मुख्यधारा मीडिया तक नहीं पहुंच पाती थी।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में नागरिक पत्रकारिता का महत्व और बढ़ जाता है। हजारों गांव और कस्बे ऐसे हैं जहां की समस्याएं राष्ट्रीय मीडिया की प्राथमिकता में शामिल नहीं हो पातीं। ऐसे में स्थानीय नागरिक जब अपने क्षेत्र की सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य या प्रशासनिक लापरवाही से जुड़े मुद्दों को रिकॉर्ड कर साझा करते हैं, तो वे सीधे व्यवस्था को जवाबदेह बनाते हैं। कई बार सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी पड़ती है। यह लोकतंत्र की सक्रियता का संकेत है।

मुख्यधारा मीडिया पर अक्सर टीआरपी, विज्ञापन निर्भरता और राजनीतिक प्रभाव के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे माहौल में नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को सामने लाती है जिन्हें कभी–कभी अनदेखा कर दिया जाता है। यह आमजन की सीधी भागीदारी का माध्यम बनकर लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बनाती है। सूचना का अधिकार जैसी व्यवस्थाएं भी जब सक्रिय नागरिकों के हाथ में आती हैं, तो जवाबदेही और मजबूत होती है।

नागरिक पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह हाशिए पर खड़े समाज को स्वयं बोलने का अवसर देती है। दलित, आदिवासी, महिलाएं, मजदूर और लैंगिक अल्पसंख्यक समुदाय अपनी बात सीधे समाज के सामने रख पा रहे हैं। इससे सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में सकारात्मक संवाद को बल मिला है।

हालांकि, इस शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। फर्जी खबरें, अधूरी जानकारी और भावनात्मक उकसावे समाज में भ्रम और तनाव पैदा कर सकते हैं। इसलिए सत्यापन, संतुलन और संवैधानिक मूल्यों की समझ आवश्यक है। डिजिटल साक्षरता और मीडिया नैतिकता पर ध्यान दिए बिना नागरिक पत्रकारिता का प्रभाव उल्टा भी पड़ सकता है। साथ ही, कई नागरिक पत्रकारों को ट्रोलिंग, कानूनी दबाव और धमकियों का सामना भी करना पड़ता है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है।

आज आवश्यकता है कि नागरिक पत्रकारिता तथ्यों, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी पर आधारित हो। यदि आम नागरिक सूचनाओं को साझा करते समय सत्यापन और मर्यादा का पालन करें, तो यह माध्यम लोकतंत्र की रीढ़ साबित हो सकता है।

नागरिक पत्रकारिता आज के भारत में लोकतंत्र की जीवंत अभिव्यक्ति बन चुकी है। यह जनता को केवल दर्शक नहीं बल्कि सहभागी बनाती है। मोबाइल फोन से उठी यह आवाज व्यवस्था को आईना दिखाने का साहस रखती है। यदि इसे नैतिकता और सत्य के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारतीय लोकतंत्र को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

एआई जॉब पाने का नया स्किल फर्स्ट मॉडल

—कीर्ति शेखर—

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ऑटोमेशन तथा स्टार्टअप के इस दौर में बिना कुशलता अच्छा कैरियर बनना असंभव है, जबकि अगर बहुत बड़े संस्थान या विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं है, तो भी जॉब मिल जायेगा। क्योंकि इस दौर में आपने 'क्या पढ़ा है' के बजाय आप क्या बहुत कुशलता से कर सकते हैं, यह मायने रखता है। अब डिग्री नहीं कौशल हमारा भविष्य तय करेगा। देश में कैरियर की दुनिया गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। वह दौर बीत गया, जब किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की डिग्री या तकनीकी संस्थान के स्टूडेंट होने के नाम पर ही बड़ी–बड़ी कंपनियां ज्यादा ना–नुकुर किए नौकरी दे देती थीं। लेकिन अब कंपनियों को डिग्रियां संतुष्ट नहीं कर पातीं। उन्हें चाहिए आपके अंदर काम से संबंधित हुनर, काम से संबंधित डिग्री। बिना कुशलता अच्छा कैरियर बनना असंभव है, जबकि अगर बहुत बड़े संस्थान या विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं है, तो भी आपका काम चल जायेगा। क्योंकि इस दौर में आपने 'क्या पढ़ा है' के बजाय आप क्या बहुत कुशलता से कर सकते हैं, यह मायने रखता हैं। इसीलिए यह दौर स्किल फर्स्ट कैरियर मॉडल कहा जा रहा है।

हालांकि यह बदलाव अचानक नहीं आ गया। पहले डिजिटल क्रांति आयी, फिर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का दौर आया और ऑटोमेशन तथा स्टार्टअप संस्कृति ने गहरे तक अपनी जड़ें जमायी हैं। इसके बाद अब स्किल फर्स्ट कैरियर मॉडल दस्तक दे रहा है। आज कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जो तुरंत काम कर सकें। पहले वे अकुशल लोगों को भर्ती कर लेती थीं और सालों में उन्हें कुशल बनाकर अपना काम चलाती थीं। आज किसी कंपनी के पास ये फुर्सत नहीं।

पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का ढांचा बहुत धीमी गति से बदलता है। ऐसे में अकसर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम अपने दौर से पीछे हो जाते हैं। मसलन, एक इंजीनियरिंग छात्र चार साल में डिग्री पूरी करता है, लेकिन तकनीक की रफ्तार इतनी तेज है कि इन चार सालों में तीन बार तकनीक नई हो चुकी होती है। ऐसे में कंपनियां उन लोगों को अपने यहां भर्ती करना बेहतर समझती हैं, जो वर्तमान तकनीक में दक्ष हैं। क्योंकि कंपनियां अपने क्वालिटी उत्पाद चाहती हैं। यही कारण है कि जहां लाखों इंजीनियर और मैनेजमेंट के डिग्रीधारी बेरोजगार हैं, वहीं ऐसे लाखों लोग अच्छी नौकरियों में हैं, जिनके पास उच्च संस्थानों की डिग्री न होकर, काम की कुशलता है।

सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में बड़ी–बड़ी कंपनियां अपने यहां भर्ती के लिए डिग्री की अनिवार्यता को या तो अनदेखा कर रही हैं या खत्म कर दिया है। ऐसे उम्मीदवारों को अपने यहां रखने में प्राथमिकता दे रही हैं, जिन्हें अनुभव हो या जो कार्यक्षमता में माहिर हों। यही कारण है कि 2025 में सबसे ज्यादा नौकरी पाने वाले लंबे समय तक इंटर्न करने वाले प्रशिक्षु थे। दरअसल कंपनियों को पहले दिन से ही व्यापक उत्पादकता की दरकार होती है। इसलिए वो प्रशिक्षित कर्मचारियों को चाहती हैं। आज विभिन्न ऐप से कुशलता हासिल करने वाले युवकों को भी धड़ल्ले से नौकरी मिल रही है और वे बड़े–बड़े डिग्रीधारी पिछड़ रहे हैं, जिन्हें काम की नॉलेज नहीं। स्टार्टअप्स तो कतई डिग्रियों के मोह में नहीं फंसते।

आज डिजिटल ऑनलाइन शिक्षा के प्लेटफॉर्म मसलन कोरसेरा, स्किल इंडिया, अपवर्क, फीवर, ये ऐसे प्लेटफॉर्म हैं,जो लाखों युवाओं को नौकरियां दिला रहे हैं। क्योंकि ये बहुत तेजी से नये रंगरूट को प्रशिक्षित कर रहे हैं, भले उनके पास बहुत तेजतर्रार पृष्ठभूमि न हो। ये प्लेटफॉर्म नई तकनीक और कुशलता को सीखने का सबसे अहम जरिया बन गये हैं। विशेषकर दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों के छात्रों को स्किल्स में महारत हासिल करने के लिए शहरों में जाने की जरूरत नहीं है। वो अपने घर में भी ऑनलाइन स्किल सीख सकते हैं और उसे काम में उपयोग कर सकते हैं।

तकनीक में कुशल युवाओं को सिर्फ प्राइवेट कंपनियां ही नहीं बल्कि सरकारी क्षेत्रों में भी प्राथमिकता मिल रही है। खुद सरकार भी कौशल विकास को प्राथमिकता देने के लिए अब प्रतिबद्ध है। साल 2020 की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा अधिक व्यावहारिक और कौशल आधारित होनी चाहिए। इसमें इंटर्नशिप, व्यावसायिक शिक्षा और प्रोजेक्ट आधारित तकनीकों को सीखने पर जोर दिया जाता है। यही कारण है कि आजकल कॉलेज या कॉलेज से निकलने के बाद नहीं बल्कि अब स्कूल में ही छात्र कोडिंग , डिजाइन जैसी कुशलताओं को सीख रहे हैं। आज के ये बदलाव युवाओं के लिए एक चुनौती और अवसर दोनों ही तरह के हैं।

ज्यादा मांग में हैं ये कौशल

' डेटा एनालिसिस और डेटा विजुअलाइजेशन,

साइबर सिक्योरिटी, ' डिजिटल मार्केटिंग,' क्लाउड कंप्यूटिंग,

' वीडियो एडिटिंग और कंटेंट क्रिएशन,' यूआईएक्सूएक्स डिजाइन,

' ड्रोन ऑपरेशन, ' रोबोटिक और आटोमेशन,' कम्यूनिकेशन और समस्या समाधान,' प्रोजेक्ट मैनेजमेंट।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 50 फीसदी से ज्यादा नौकरियां एप आधारित या ऐसी होंगी, जिन्हें एआई रिप्लेस कर सकता है। यही कारण है कि आज 70 फीसदी कंपनियां स्किल आधारित भर्ती को प्राथमिकता दे रही हैं और सही मायनों में डिजिटल कौशल रखने वाली आज की पीढ़ी पहले किसी भी दौर की पीढ़ी के मुकाबले 4 से 10 फीसदी तक की ज्यादा कमाई कर रही है।

इ.रि.सें.

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने भरी हुंकार

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद से शिक्षक आंदोलनरत हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिले के शिक्षकों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। साथ ही पैदल मार्च निकालकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर शिक्षक संगठनों ने प्रदर्शन किया। भारी संख्या में शिक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एकत्र हुए और एक दिवसीय धरने पर बैठे। जिसके बाद यहां से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर अपना विरोध जताया। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम के प्रतिनिधि अतिरिक्त मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार यादव को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने कहा कि 22 फरवरी को ट्विटर पर जस्टिस फॉर टीचर हैशटैग के साथ देशव्यापी टॉप ट्रेंड चलाकर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया गया।

23 से 25 फरवरी तक हाथ में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। कहा कि आरटीई एक्ट भारत में एक अप्रैल 2010 और उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 को लागू हुआ। इससे पूर्व जारी विज्ञप्ति और शासनादेशों के तहत नियुक्त शिक्षकों पर नई सेवा शर्तें थोपना पूरी तरह असंवैधानिक है। उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विनय पांडेय ने साथी शिक्षकों में जोश भरते हुए कहा कि साथियों यह न्याय की लड़ाई है। जब हम सेवा में आए थे, तब टीईटी जैसी कोई शर्त हमारे नियुक्ति पत्र में नहीं थी। बीच में नियम बदलना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि असंवैधानिक भी है। हम सरकार को स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि पुरानी सेवा शर्तों के रक्षक के रूप में हम इस टीईटी थोपने की नीति के विरुद्ध अंतिम सांस तक लड़ेंगे। इस मौके पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष राम नरेश यादव ने कहा कि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षक टीईटी की परिधि से बाहर हैं। हम किसी भी सूरत में अपनी वरिष्ठता और सेवा शर्तों से समझौता नहीं करेंगे। इस मौके पर बीनू राजपूत, हरीश कुमार, सत्य प्रकाश वर्मा, अनूप श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव, सुनील शुक्ला, एनके पाठक, संतोष मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव, मुनव्वर मिर्जा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कबाड़ गोदाम में लगी आग

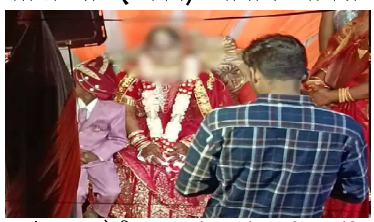

संवाददाता–बहराइच। देहात कोतवाली इलाके में स्थित त्रिमुहानी रोड पर गुरुवार सुबह एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, लेकिन दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर करीब 30 मिनट में इस पर काबू पा लिया। यह गोदाम त्रिमुहानी रोड पर अबरार नामक व्यक्ति का है। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे उनके गोदाम से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ। जब तक लोग कुछ समझ पाते, गोदाम में रखे प्लास्टिक के सामान और फोम में आग लग गई। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के लोगों ने गोदाम मालिक को सूचना दी। सूचना मिलने पर गोदाम मालिक अबरार मौके पर पहुंचे और उन्होंने अग्निशमन विभाग को आग लगने की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही दमकल कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर नियंत्रण पाया।

नकली जेवरात लेकर पहुंचा दूल्हा, शादी से इन्कार, बारात वापस

संवाददाता–देवरिया। 25 फरवरी की शाम सलेमपुर कोतवाली के बरसीपार गांव से बारात लार थाना क्षेत्र के ठाकुर गौरी गांव में पहुंची थी। बारात का धूमधाम से स्वागत किया गया, जिसमें द्वारपूजा और जयमाला की रस्म भी पूरी हुई। दोनों पक्षों के मेहमानों ने भोजन किया और दुल्हन को जयमाला स्टेज पर लाया गया, जहां फोटो सेशन भी हुआ। जयमाला के बाद लड़के वाले गुरहथन की रस्म के लिए आंगन में पहुंचे। इसी दौरान लड़की पक्ष के लोगों ने चढ़ाए गए कुछ गहनों को नकली बताते हुए आपत्ति जताई। इस बात पर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया और स्थिति इतनी बिगड़ गई कि वे आमने–सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद इस तरह बढ़ गया कि सुलझाने के लिए पंचायत बुलाया गया। पंचायत के माध्यम से प्रयास किए गए, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

गुरुवार सुबह नकली गहने को लेकर दुल्हन पक्ष के लोग विवाद कर रहे थे तो लड़के पक्ष ने डायल 112 पर फोन कर शिकायत की कि शादी होने के बावजूद लड़की पक्ष दुल्हन की विदाई नहीं कर रहा है। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने प्रयास किया। बात नही बनने पर दोनो पक्ष के बीच सुलहनामा होने के बाद वे बिना दुल्हन लिए अपने घर लौट गए। इस घटना के बाद दुल्हन के घर विदाई का सारा सामान दरवाजे पर ही रखा रह गया। इस सम्बंध में लार थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दोनो पक्ष से बातचीत करके उनकी मर्जी से सुलहनामा बनाकर दे दिया गया है।

यूजीसी एक्ट के समर्थन में निकाला मार्च, छात्र सुरक्षा व समानता के लिए जरूरी बताया

संवाददाता–महराजगंज। उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ते भेदभाव व छात्र आत्महत्या की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते अपनी जनता पार्टी ने गुरुवार को यूजीसी एक्ट 2026 के समर्थन में कलक्ट्रेट तक मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने साहू जी महाराज की प्रतिमा स्थल से जुलूस की शुरुआत की, जिसका नेतृत्व जिलाध्यक्ष मनोज कुमार कन्नौजिया ने किया। कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी एक्ट 2026 भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह व गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि यह कानून अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव, जातीय अपमान व संस्थागत उत्पीड़न पर प्रभावी रोक लगाने में सहायक सिद्ध होगा।

यह अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 18, 21 व 21(क) के तहत प्रदत्त समानता, गरिमा व शिक्षा के अधिकार को मजबूती प्रदान करेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया शर्मा ने कहा कि हाल के वर्षों में आईआईटी, एनआईटी व केंद्रीय विश्वविद्यालयों में छात्र आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 आत्महत्या के मामले सामने आए, जिनमें 39 आईआईटी, 25 एनआईटी व 25 केंद्रीय विश्वविद्यालयों से जुड़े हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 13,892 छात्रों ने आत्महत्या की अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कानूनी व प्रशासनिक कदम नहीं उठाए गए तो प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल कमजोर होता जाएगा। यूजीसी एक्ट 2026 के लागू होने से शैक्षणिक मानकों का एकीकरण, संस्थागत जवाबदेही, पारदर्शिता व छात्र सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस दौरान रामलखन मद्धेशिया, असगर अली, रामू कन्नौजिया, महेश भारती, शर्मा भारती, व धर्मेंद्र कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्योहारों पर नकली खोया से सावधान रहें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रंगों के पावन पर्व होली को देखते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. अयोध्या (पराग डेयरी) ने जनपदवासियों के लिए शुद्ध खोया उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। संघ की ओर से उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि त्योहार के अवसर पर मिलावटी दुग्ध उत्पादों से बचें और केवल प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त उत्पादों का ही प्रयोग करें।संघ के अधिकारियों ने बताया कि होली पर घरों में गुझिया, मावा मिठाई और अन्य पारंपरिक व्यंजन बड़ी मात्रा में तैयार किए जाते हैं। ऐसे में खोया की मांग बढ़ जाती है, जिसका फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व बाजार में नकली व मिलावटी उत्पाद बेचने लगते हैं। यह उत्पाद न केवल त्योहार की मिठास को फीका करते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।दुग्ध संघ के अनुसार पराग का शुद्ध खोया अयोध्या दुग्ध संघ के मुख्य गेट सहित पराग के विभिन्न अधिकृत विक्रय केंद्रों पर उचित दरों पर उपलब्ध है। उपभोक्ता सीधे इन अधिकृत केंद्रों से खोया खरीद सकते हैं। संघ ने स्पष्ट किया कि पराग का खोया गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है और इसकी नियमित जांच की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को शुद्धता की पूरी गारंटी मिल सके।संघ ने जनपदवासियों से आग्रह किया है कि वे बाजार में खुले में बिक रहे सस्ते और संदिग्ध दुग्ध उत्पादों से सावधान रहें। खरीदारी करते समय उत्पाद का स्रोत अवश्य सुनिश्चित करें और अधिकृत विक्रेताओं से ही सामग्री लें।दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. अयोध्या ने भरोसा दिलाया है कि उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। ताकि सभी लोग स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण में परिवार के साथ होली का त्योहार उल्लासपूर्वक मना सकें।

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम की सिद्धपीठ चंद्रद्वितेश्वर नाथ महादेव मंदिर बाबा कृष्णमोहन दास आश्रम रामघाट के संस्थापक एवं अखिल भारत हिंदू महासभा संत प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत बाबा कृष्णमोहन दास महाराज को संतों, हिंदू महासभाईयों ने नमन किया। अवसर उनकी 17वीं पुण्यतिथि महोत्सव का था। पुण्यतिथि पर गुरुवार को आश्रम प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में अयोध्या समेत अन्य प्रांतों से आए हुए हिंदू महासभा के पदाधिकारी–कार्यकर्ताओं और संत–महंतों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष साकेतवासी श्रीमहंत बाबा कृष्णमोहन दास महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। चंद्रद्वितेश्वर नाथ महादेव मंदिर व बाबा कृष्णमोहन दास आश्रम के वर्तमान पीठाधिपति वरिष्ठ हिंदू महासभा नेता महंत रवींद्र कुमार दास ने कहा कि उनके गुरुदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। जो गौ और संत सेवी रहे। उन्होंने अयोध्या धाम में एक विशाल आश्रम की स्थापना कर उसका कार्यभार संभाला। मठ के वह संस्थापक महंत हुए। जो अब इस दुनिया में नही हैं। उनकी यश–कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य, दिव्य, नव्य मंदिर निर्माण से गुरुदेव का सपना साकार हुआ। वह जहां कहीं पर हैं। उसे अपनी आंखों से देख रहे होंगे।आचार्य करूणानिधान गर्ग ने बताया कि हम सबने हिंदू महासभा संत प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष साकेतवासी महंत बाबा कृष्णमोहन दास महाराज का 17 वां पुण्यतिथि महोत्सव मनाया है। पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय अध्यक्ष को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। हिंदू महासभा के प्रति उनका अमूल्य योगदान रहा। उन्होंने हिंदू महासभा को मजबूती प्रदान करने का काम किया। अतिथियों का स्वागत अचार करुणा निधान गर्ग ने किया। इस अवसर पर विश्वविराट विजय राघव मंदिर के श्रीमहंत सिद्धबाबा नरसिंह दास, महंत पवन दास,हिंदू महासभा के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता मनीष पांडे,हिंदू महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष महंत रामलोचन शरण उर्फ राजन बाबा, महंत उत्तम दास, हिंदू महासभा जिला महामंत्री चंद्रहास दीक्षित, ब्रजनंदन सिंह, अभय कुमार शर्मा, सोनू सिंह, गणेश शर्मा, युवराज त्रिपाठी, नागेंद्र प्रताप सिंह, गोविंद यादव, अश्विनी पांडेय वैद्य आदि समेत सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

हादसों को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट पर शुरू हुए बचाव के उपाय

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर–परतावल हाईवे सहित श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसपी सोमेंद्र मीना के निर्देश पर थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने पहल की है। उन्होंने संबंधित निर्माण कंपनी के ठेकेदार को मौके पर बुलाकर ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कराया। तत्काल कैट आई, डेलिनेटर, साइन बोर्ड, थर्मो प्लास्टिक एवं रोड सेफ्टी लगवाने का काम शुरू करा दिया है। जिन जगहों पर पूर्व में कई छोटे–बड़े हादसे हो चुके हैं, वहां सड़क के तीखे मोड़, अपर्याप्त संकेतक, अनियंत्रित कट और स्पीड नियंत्रण के अभाव को प्रमुख कारण माना गया। हाईवे के ठेकेदार अमित चौधरी और थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण किया। इसे देखते हुए कैट आई, डेलिनेटर, साइन बोर्ड, थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग एवं अन्य रोड सेफ्टी संबंधी कार्य बुधवार से एनएच–730बीबी सड़क पर शुरू कर दिए गए हैं। ताकि विशेषकर रात के समय वाहन चालकों को स्पष्ट मार्गदर्शन मिल सके। ठेकेदार की ओर से मौके पर सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया। सड़क किनारे और डिवाइडर पर कैट आई व डेलिनेटर लगाए जा रहे हैं। साथ ही साइन बोर्ड और थर्मोप्लास्टिक लाइनिंग का कार्य भी किया जा रहा है। ताकि दृश्यता बढ़े और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि परतावल–महराजगंज मार्ग पर किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा के साथ–साथ टोल फ्री नंबर 1033 पर भी कॉल करें। उन्होंने बताया कि सेमरा राजा स्थित टोल प्लाजा पर एम्बुलेंस हर समय उपलब्ध रहती है। उन्होंने कहा कि इस आपात सुविधा की जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए, ताकि दुर्घटना के समय विलंब न हो। परतावल चौराहे पर कार्य शुरू होने के दौरान चौकी प्रभारी परतावल अमित सिंह, अखिलेश यादव, निर्भय कुमार, रवि सिंह, प्रताप, विकास आदि मौजूद रहे।

रूस में नौकरी का झांसा देकर 3.12 करोड़ की ठगी, सोशल मीडिया विज्ञापन से फंसे 250 युवा

संवाददाता–गोण्डा। जिले में रूस में नौकरी दिलाने के नाम पर सैकड़ों लोगों से ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। मल्टी इंटरनेशनल इमीग्रेशन काउंसलिंग कंपनी के संचालक विवेक कुमार पर आरोप है कि वह अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गए हैं। ठगी के शिकार हुए सैकड़ों लोगों ने विवेक कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ गोंडा की नगर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि उन्हें रूस में अलग–अलग तरह की नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। इसके लिए किसी से एक लाख, किसी से डेढ़ लाख तो किसी से 50 हजार रुपये लेकर एग्रीमेंट किए गए थे। हालांकि, इन लोगों को रूस नहीं भेजा गया और अब कंपनी के मालिक अपने मोबाइल नंबर भी बंद कर चुके हैं। सामने आए एग्रीमेंट में कंपनी ने यह भी लिखा था कि यदि बताई गई सैलरी नहीं मिलती है, कोई दिक्कत होती है, या 22 महीने का वीजा 15 दिन के भीतर रिन्यू नहीं होता है, तो डेढ़ लाख रुपये वापस किए जाएंगे। यह शर्तें भी अब बेमानी साबित हो रही हैं।

जिले के बरुई गोंदहा निवासी दिलीप कुमार सिंह का एक एग्रीमेंट सामने आया है। इसमें मल्टी इंटरनेशनल इमीग्रेशन काउंसलिंग कंपनी के प्रोपराइटर विवेक कुमार और दिलीप कुमार सिंह के बीच रूस में प्लंबर की नौकरी दिलाने को लेकर समझौता हुआ था, जिसके लिए दिलीप से डेढ़ लाख रुपये लिए गए थे। इसके अलावा, विवेक कुमार और उनके साथियों के लोगों से रूस में नौकरी दिलाने को लेकर बातचीत करते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। स्टांप पर जो एग्रीमेंट हुआ था उसी पर हम लोगों ने विश्वास किया इन लोगों ने कहा था कि अगर कोई दिक्कत होगी तो हम पूरा पैसा वापस करेंगे। वही बहराइच के रहने वाले हैं गौरव रामधनी मिश्रा ने बताया कि हमें गोंडा में उतरौला रोड पर मल्टी इमीग्रेशन काउंसलिंग सेंटर में बुलाया गया था।

हमारा यहां पर इंटरव्यू लिया गया हमें यहां पर ऑफर दिया की हम आपको रसिया में मैक्सो सिटी के अंदर भेजेंगे मुझे 95000 भारतीय सैलरी देने का ऑफर दिया गया था। हम लोगों को दिल्ली बुलाया गया वहां पर 5रू00 हम लोगों को वीजा और टिकट देने को कहा गया था, लेकिन जब हम लोग फोन किया तो फोन उठाना ही लोगों ने बंद कर दिया। एयरपोर्ट पर हम लोग गए वहां पर हम लोगों को कोई एंट्री नहीं मिली, फिर इसके बाद हम लोग वापस आए तो हम लोगों का मोबाइल नंबर बंद आने लगा। गोंडा नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि इन सभी लोगों ने यहां पर आकर किस शिकायती पत्र दिया है सभी लोगों की शिकायती पत्र पर पुलिस द्वारा गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है इन्हीं शिकायत पत्रों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अस्पताल संचालक पर कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने किया रोड जाम

संवाददाता–कुशीनगर। हनुमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बोधी छपरा निवासी एक 55 वर्षीय महिला सुगिया देवी की कोटवा में स्थित एक निजी अस्पताल में बच्चेदानी का आपरेशन करने के दौरान बुधवार को मृत्यु हो गई थी। गुरुवार को मृतका के परिजनों ने निजी अस्पताल के डाक्टर पर आपरेशन के दौरान सुगिया देवी की दोनों किडनी निकालने का आरोप लगाते हुए गांव के समीप सड़क पर शव रखकर खड्डा पनियहवा मार्ग जाम कर दिया।

इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार ने परिजनों को दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिलाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है। वहीं अस्पताल संचालक के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन मिलने के दो घंटे बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त किया। हनुमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बोधी छपरा निवासी सुगिया देवी 55 वर्ष पत्नी मोतीलाल साहनी की दो पुत्रियां लालती व मालती है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है।मृतका की पुत्री लालती के अनुसार किसी एजेंट के माध्यम से मां सुगिया देवी शनिवार को कोटवा स्थित खुशी अस्पताल में बच्चादानी का आपरेशन कराने गई। जहां आयुष्मान कार्ड से महिला का आपरेशन भी हो गया। आरोप है कि आयुष्मान कार्ड के बाद अस्पताल संचालक द्वारा आपरेशन के नाम पर उनसे 40 हजार रुपए वसूल कर लिया गया। रविवार को महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे गोरखपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां आईसीयू के नाम पर उससे 25 हजार रुपए ले लिया गया। इसके बाद महिला को वहां से भी दूसरे अस्पताल भेज दिया गया। आरोप है कि मंगलवार की रात्रि उक्त अस्पताल के संचालक सुगिया देवी को उससे घर छोड़कर ईलाज से सम्बंधित सारा दस्तावेज लेकर चले गए।और वुधवार की देर शाम सुगिया देवी की मौत हो गई। गुरुवार की सुबह परिजन सुगिया देवी का अंतिम संस्कार करने से पूर्व उसे स्नान कराने के लिए कपड़ा उतारा जहां पीठ के पीछे दो आपरेशन हुआ देख डाक्टर पर किडनी निकालने का आरोप लगाते हुए शव को गांव के सामने सड़क पर शव रखकर खड्डा पनियहवा मार्ग जाम कर दिया।और अस्पताल संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही हनुमानगंज के प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष यादव मयफोर्स लेकर मौके पर पहुंच गये।और ग्रामीणों को कार्यवाही का भरोसा देते हुए सड़क जाम खघ्त्म करने का काफी प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इसी दौरान नायब तहसीलदार अभिषेक सिंह मौके पर पहुंच गये।और महिला की डेथ बाड़ी को देखते हुए लोगों को कार्यवाही का भरोसा दिलाते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए मनाया।तब जाकर लोगों ने शव सड़क से हटाकर जाम समाप्त किया। वहीं सड़क जाम से दोनों तरफ गाड़ियों का लम्बा जाम लग गया।इस सम्बन्ध में प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव का कहना है कि मृतका का दोनों किडनी निकालने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने सड़क जाम किया था।

बैरक से लेकर मेस तक की जांच, बंदियों से जानी उनकी समस्या

संवाददाता–महराजगंज। डीएम संतोष कुमार शर्मा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने जिला जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामान्य बैरक, महिला बैरक, जेल चिकित्सालय, मेस सहित पूरे जेल परिसर का अधिकारियों ने जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बंदियों की समस्यायों को सुनकर जेल अधीक्षक को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया। डीएम ने जमानत, पेशी, गवाही व अन्य न्यायिक प्रक्रियाओं के संदर्भ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से समन्वय करते हुए बंदियों को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। जेल मैन्युअल के अनुसार बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं को सुनिश्चित करने और बंदियों के स्वास्थ्य की नियमित अंतराल पर जांच कराते रहने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम को व्यवस्थित करने और सभी संवेदनशील बिंदुओं की चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करने कहा। साथ ही हाई सिक्योरिटी बैरक के हैंडओवर को पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जेल अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय अभिलेखों तथा स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय स्टाफ को निर्देश दिया गया कि बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल समुचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। एसपी ने कारागार परिसर की नियमित सफाई तथा निगरानी प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक बृज किशोर गौतम सहित अन्य कारागार अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में 108 कलशों से किया गया अभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज के संयोजन में आयोजित नौ दिवसीय श्रीरामायणवेला प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हो रहा है। महोत्सव के अंतर्गत विविध वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन कर सनातन परंपराओं की गरिमा को सजीव रूप दिया जा रहा है।महोत्सव के दौरान सर्वबिंब प्रतिष्ठा, चतुस्स्थान पूजन, दिव्य प्रबंध पाठ और नयनोन्मीलन जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान विधि–विधान से संपन्न हुए। इसके साथ ही सप्त पूजा, कन्या पूजा, दम्पति पूजा, ब्राह्मण पूजा एवं आचार्य पूजा का आयोजन कर धर्माचार्यों ने वैदिक संस्कृति की महत्ता को रेखांकित किया। 108 कलशों विभिन्न नदियों और औषधीय के जल से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ अनुष्ठानों में सहभागिता की। वहीं भगवान श्रीराम, माता जानकी और हनुमान जी महाराज की प्राण–प्रतिष्ठा 27 फरवरी, शुक्रवार को हवन–पूजन के साथ संपन्न होगी। इसको लेकर मंदिर परिसर में विशेष तैयारियां की

श्री सीताराम दांपत्य जीवन के आदर्श उदाहरण है–जगतगुरु रत्नेशप्रपन्नाचार्य

जा रही हैं। दूर–दराज से संत–महात्मा और श्रद्धालु बड़ी संख्या में अयोध्या पहुंच रहे हैं। प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आयोजित श्री वाल्मीकि रामायण कथा में जगद्गुरु रत्नेशप्रपन्नाचार्य महाराज ने श्रीराम–सीता के आदर्श दांपत्य जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में श्रीराम और माता सीता आदर्श दंपति के रूप में पूजनीय हैं। श्रीराम ने मर्यादा का पालन कर आदर्श पति और पुरुषोत्तम का पद प्राप्त किया, वहीं माता सीता ने अपने पतिव्रता धर्म के पालन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने उपस्थित दंपतियों से आह्वान किया कि वे श्रीराम–सीता के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने दांपत्य जीवन को प्रेम, त्याग और मर्यादा से परिपूर्ण बनाएं।कथा के दौरान श्री महाराज जी ने प्रभु सीताराम विवाह प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। स्वयंवर, धनुष भंग और वैदिक रीति से संपन्न दिव्य विवाह का भावपूर्ण चित्रण सुनकर उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा पंडाल 'सीताराम' के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह सहित सैकड़ो संत महंत उपस्थित रहे।

पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जनपद सिद्धार्थनगर में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दिलशाद पुत्र खलीलुल्लाह, निवासी धनौरा मुस्तहकम, थाना शोहरतगढ़, जनपद सिद्धार्थनगर, उम्र लगभग 30 वर्ष के रूप में हुई है। उसे सुबह 09:58 बजे जुगडिहवा मोड़ के पास से मुखबिर की सूचना पर नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी धारा 137(2), 87 बीएनएस, थाना शोहरतगढ़ से संबंधित है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव और हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार यादव की टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया है। शोहरतगढ़ पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कैश वैन के इंजन में आग, बड़ा हादसा टला

संवाददाता–गोरखपुर। इलाके के मुख्य बाजार स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम में नकदी भरने आई कैश वैन के इंजन में अचानक आग लग गई। घटना से अफरा–तफरी मच गई, लेकिन कर्मचारियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग और फायर एक्सटिंग्विशर से आग पर काबू पा लिया। किसी प्रकार की जन या धनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बीआरसी पौली पर तीन दिवसीय नोडल शिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीरनगर।(पौली)। उच्च प्राथमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में शारदा कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय नोडल शिक्षकों का ब्लाक स्तरीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा से बंचित बच्चों को चिंहित कर विद्यालय में नमांकन करा कर विशेष शिक्षा देने के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि परिवार सर्वेक्षण के दौरान स्कूल न जाने वाले या किसी कारण से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को चिन्हित कर विद्यालय में नामांकन करा कर शिक्षित करे। तभी प्रशिक्षण का उद्देश्य पूर्ण होगा। 6 से 14 वर्ष तक का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए विशेष कक्षाओं का संचालन कर शिक्षा में पिछड चुके बच्चों को उनके कक्षा के अनुरूप शैक्षिक स्तर तक लाया जाय।

संदर्भदाता राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक विनोद पांडेय, दिलीप कुमार, हरिरराम यादव, अमरजीत व रमाशंकर ने भाषा, गणित, विज्ञान, पर्यावरण व अन्य विषयों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम पर संचालन शिक्षक अमित सिंह ने किया।

प्रशिक्षण में प्राथमिक शिक्षा संघ के ब्लॉक मंत्री विपिन वर्मा, एआरपी रुदल प्रसाद, मो. रऊफ, भोलेन्द्र नाथ यादव, महेंद्र प्रसाद, हरिओम त्रिपाठी, विजय कुमार, रामगोपाल, गंगेश चतुर्वेदी, राम मोहन शुक्ला, धनंजय शुक्ला, मनोज वर्मा, जयप्रकाश मिश्र, राजेश विश्वकर्मा, राजकुमार यादव, अजय कुमार, रामकरन, सरोज यादव, उर्मिला देवी, रश्मि यादव, कुंदन यादव, रत्ना पांडेय सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

जेल अधीक्षक, एसओ समेत पुलिसकर्मियों पर मुकदमा

संवाददाता–अंबेडकरनगर। न्यायिक हिरासत में अजय कुमार की मौत का मामला अब गंभीर मोड़ ले चुका है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर महरुआ थाने में तत्कालीन जेल अधीक्षक, तत्कालीन थानाध्यक्ष, गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मियों और एक अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मृतक अजय की मां शिवकुमारी के अनुसार 28 मार्च 2025 की रात उनके बेटे की महमदपुर चपरा निवासी अनिल कुमार से मोबाइल पर कहासुनी हुई थी। अगले दिन एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें अजय पर बसपा प्रमुख मायावती के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी का आरोप लगा। इस आरोप के बाद 29 मार्च को पुलिस ने अजय को गिरफ्तार कर भीटी एसडीएम कोर्ट में पेश किया और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

परिवार का दावा है कि गिरफ्तारी के बाद से ही उन्हें अनहोनी का अंदेशा था। 30 मार्च की रात जेल प्रशासन ने अजय की तबीयत बिगड़ने की सूचना दी। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिवकुमारी ने बताया कि 31 मार्च को जब उन्होंने अपने बेटे का शव देखा, तो उसके सिर पर चोट के गहरे निशान थे और नाक व कान से खून बह रहा था, जिससे परिवार सदमे में है।

गांव में इस घटना को लेकर लोगों में गुस्सा साफ दिख रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला लंबे समय तक दबा रहा और परिवार न्याय के लिए भटकता रहा। अब अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज होने से न्याय की उम्मीद जगी है।

पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित सभी साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच कराई जाएगी।यह मामला अब केवल एक मौत की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि हिरासत में मानवीय अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदेही की कसौटी बन गया है।

शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता से छूट के लिए किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों ने गुरुवार को शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता का विरोध किया। शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय से डीएम कार्यालय तक जुलूस निकालकर विरोध जताया। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपकर छूट प्रदान करने की मांग की। समस्त संगठनों से जुड़े जनपद के प्राथमिक व बेसिक शिक्षकों ने गुरुवार को बीएसए कार्यालय पर एकत्र होकर धरना दिया। अपनी मांगों के सम्बन्ध में हुंकार भरी। तत्पश्चात बड़ी संख्या में शिक्षकों ने डीएम कार्यालय तक जुलूस निकाला। अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अंबिका देवी यादव ने कहा उत्तर प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 जुलाई 2011 से लागू किया गया है। इसके उपरांत नियुक्त होने वाले शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया है। इसके पूर्व में नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखा गया था। सितंबर 25 के निर्णय के द्वारा पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को भी सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति हेतु टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के साथ सरासर अन्याय है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े आंदोलनरत शिक्षकों ने प्रधानमंत्री से मांग की कि अध्यादेश लाकर आरटीआई से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट प्रदान किया जाए। अध्यादेश लाकर संसद द्वारा कानून पारित किया जाए।

विधायक ने 50 करोड़ के आयल्स प्लांट का भूमि पूजन

संवाददाता–संतकबीरनगर। नाथनगर ब्लॉक के पलदहा जोत मिल्की गांव में गुरुवार को एक ऑयल्स प्लांट का भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। विधायक गणेश चौहान ने 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्लांट की आधारशिला रखी। यह प्लांट प्रतिदिन 105 टन खाद्य तेल का उत्पादन करेगा। यह प्लांट लगभग 14 बीघा भूमि पर स्थापित किया जाएगा। इसका निर्माण कार्य अप्रैल माह से शुरू होगा और इसे पूरा होने में दो वर्ष का समय लगेगा। भूमि पूजन का कार्यक्रम धार्मिक विद्वानों के मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर कंपनी के एमडी उमाशंकर तिवारी, मोहन और ज्ञानेश्वर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक गणेश चौहान ने कहा कि यह प्लांट स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इसे क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार का नया केंद्र बताया, जिससे लोगों को आजीविका के लिए बाहर भटकना नहीं पड़ेगा। विधायक ने कहा कि यह प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

मोहन एंड ज्ञानेश्वर ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी उमाशंकर तिवारी ने बताया कि प्लांट में प्रतिदिन 105 टन कच्चा माल रिफाइंड होकर खाने योग्य तेल में परिवर्तित होगा। उन्होंने कहा कि यह सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार का साधन बनेगा और क्षेत्र का नाम देश के पटल पर रोशन करेगा। तिवारी ने विधायक से सड़क और बिजली की समस्या को सबसे बड़ी बाधा बताते हुए इसके समाधान का आग्रह किया।

विधायक गणेश चौहान ने समस्याओं के निस्तारण में सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर मोहन तिवारी, ज्ञानेश्वर तिवारी, लीलावती हॉस्पिटल के एमडी बुद्धिसागर पाण्डेय, शोभित त्रिपाठी, ईश्वर चंद्र उर्फ कन्हैया तिवारी, शिव कुमार उपाध्याय, शिव कुमार, निकेश तिवारी, हरिहर तिवारी, ज्वाला तिवारी, दया शंकर तिवारी, राजेंद्र राय, संदीप उपाध्याय, वीरेंद्र तिवारी और अंकित शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 11315 /2025
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
नईमुद्दीन
बनाम
ग्राम पंचायत वेलवा लगुनही
1. सिराजुद्दीन पुत्र रूआव अली 2. जाकिर हुसैन 3. शाकिर हुसैन पुत्रगण मोहम्मद अली 4. अदील अहमद 5. शकील अहमद 6. रशीद अहमद पुत्रगण जाकिर अली 7. जहीरूद्दीन 8. सलाहुद्दीन 9. इमामुद्दीन पुत्रगण मोहम्मद इस्लाम 10. श्रीमती हसमतुन्निशा पत्नी मो0 इस्लाम साकिनान वेलवा लगुनही तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 16–03–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 26 माह 02 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण सिविल अपील संख्या –106/2025
कमला प्रसाद आदि
बनाम
विजय नरायन आदि
1. विजय नरायन उम्र लगभग 55 साल पुत्र स्व० राम बुझारत निवासी ग्राम मानपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती – रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग / विपक्षी
2. विनोद कुमार उम्र लगभग 51 साल 3. प्रमोद कुमार उम्र लगभग 47 साल पुत्रगण स्व0 राम अक्षैवर 4. श्रेयास कुमार उम्र लगभग 42 साल पुत्र स्व० रामतीरथ निवासीगण ग्राम मानपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती – रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग/ विपक्षीगण
5. आशुतोष कुमार उम्र लगभग 50 साल 6 विजय कुमार उम्र लगभग 48 साल 7. प्रशान्त कुमार उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण स्व० रामतीरथ 8 श्रीमती अमिरता देवी उम्र लगभग 70 साल पत्नी स्व० रामतीरथ निवासीगण ग्राम मानपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती
– रेस्पान्डेन्ट तृतीय वर्ग / विपक्षीगण
तारीख पेशी 18–03–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

बाहरी दवाएं न लिखें डॉक्टर, जांच सरकारी अस्पतालों से कराएं –सीएमआ

संवाददाता–गोरखपुर। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने गुरुवार को भटहट सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों को सीएचसी पर इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अस्पताल की दवाएं एवं जांच लिखने के निर्देश दिए। सीएमओ ने डॉक्टरों के साथ सीएचसी पर बैठक कर दवाओं के साथ अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में बड़ी संख्या में दवाएं उपलब्ध हैं। इसके बाद भी यदि कोई समस्या आती है तो उन्हें अवगत कराएं। गम्भीर मरीजों को बाहर की दवाएं व जांच लिखने के बजाए उन्हें बड़े अस्पतालों में रेफर करने के लिए निर्देशित किया। सीएमओ ने दवा भंडार कक्ष में दवाओं के रख रखाव की बेहतर स्थित देख सन्तोष जताया। प्रेरणा कैंटीन और जन औषधि केंद्र का भी निरीक्षण किया। सीएमओ ने सीएचसी पर कैम्प में होने वाली नसबंदी के बारे में पूछा तो बताया गया कि 21 हुआ है। इस मौके पर डॉ. जीपी गुप्ता, डॉ. आशुतोष कुमार चौहान, डॉ. जाबिर शेख, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी कमलेश्वर सिंह, फार्मासिस्ट मुरली श्याम आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 400/2025
थाना–कोतवाली
जिला–बस्ती
श्रीमती रोशनी सोनकर
बनाम
कृष्णपाल सोनकर
1. कृष्णपाल सोनकर उम्र लगभग 25 साल पुत्र गोपाल सोनकर (पति) 2. गोपाल सोनकर उम्र लगभग 55 साल पुत्र अज्ञात (ससुर) 3. शकुन्तला देवी उम्र लगभग 50 साल पत्नी गोपाल सोनकर (सास) 4. शिवा उम्र लगभग 40 साल पत्र गोपाल सोनकर (जेठ) 5. शालू उम्र लगभग 35 साल पत्नी शिवा सोनकर (जेठानी) निवासीगण ग्राम – मौजा राजा मैदान डपाली टोला, थाना पुरानी बस्ती, जिला– बस्ती
तारीख पेशी 17–03–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 17 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 502/2025
महेश कुमार
बनाम
सुखराम आदि
1– सुखराम उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र चिरंजू 2–ठाकुर प्रसाद उम्र लगभग 38 वर्ष 3–शिवप्रसाद उम्र लगभग 35 वर्ष, 4–रामयज्ञ उम्र लगभग 33 वर्ष, 5–राम संवारे उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण– सुखराम निवासीगण साकिन– कोरमा, तप्पा कनैला, परगना नगर पूरब, तहसील व जिला बस्ती, पोस्ट– मनौवा
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6– गणेश प्रसाद उम्र लगभग 40 वर्ष 7– सुरेश कुमार उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण– स्व० बुद्धिराम निवासीगण साकिन– कोरमा, तप्पा कनैला, परगना नगर पूरब, तहसील व मिला बस्ती, पोस्ट मनौवा
, – प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 16–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

संयुक्त सचिव ने डीडीयू में पीएम उषा परियोजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

संवाददाता–गोरखपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर्मस्ट्रांग पेमे ने गुरुवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने पीएम उषा योजना के तहत अनुदानित विभिन्न परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। पेमे ने विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन बुनियादी ढांचों का जायजा लिया, जिसमें मुख्य रूप से परिसर की नवनिर्मित सड़कों , निर्माणाधीन केंद्रीय उपकरण संकुल तथा प्रयोगशालाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण शिक्षण और शोध के माहौल को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। स्थलीय निरीक्षण के बाद संयुक्त सचिव ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रतिकुलपति, सभी अधिष्ठाताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और रूसा के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। पेमे ने निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में होने वाली इन छात्र–केंद्रित पहलों का अनुकरण संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तक भी विस्तारित किया जाए। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने संयुक्त सचिव का स्वागत किया। पीएम उषा परियोजना के समन्वयक प्रो. अजय सिंह ने भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

गोरखपुर नगर निगम की बोर्ड बैठक में 1878 करोड़ आय के बजट को मंजूरी

संवाददाता–गोरखपुर। महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गुरुवार को निगम सभागार में हुई सदन की बैठक में 1878 करोड़ रुपये आय के बजट को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही पार्षदों ने वरीयता एक करोड़ रुपये करने की मांग को लेकर हंगामा किया। लंबे समय बाद पहुंचे विधायक ग्रामीण विपिन सिंह की मौजूदगी में पार्षदों ने भत्ता बढ़ाने की मांग की है। बैठक में पार्षदों ने भवनों का मानचित्र स्वीकृत करने का अधिकार नगर निगम को दिए जाने की मांग भी उठाई। इसके साथ ही विरासत गलियारे के निर्माण में सुस्ती से प्रभावित हो रहे कारोबार का मुद्दा भी पार्षदों ने उठाया।

भाजपा मण्डल अध्यक्ष पर 5 धाराओं में केस: भाजपा ने कहा सीएम तक मामला जाएगा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) श्वेता वर्मा की तहरीर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष के खिलाफ पांच धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है, जिसमें विभिन्न दल और संगठन अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। धनघटा पुलिस ने बीडीओ की शिकायत के लगभग 36 घंटे बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह के विरुद्ध बीएनएस की धारा 221, 132, 351 (3), 352 और 296 के तहत मामला दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद कर्मचारी संगठन ने नाराजगी व्यक्त की है।

संगठन ने कहा कि अभी सचिव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। फिलहाल, 24 घंटे के लिए धरना स्थगित कर दिया गया है। भाजपा नेता इस मामले को मुख्यमंत्री तक ले जाने की बात कह रहे हैं, जबकि कार्यकर्ता इसे अपने नेताओं के साथ गलत व्यवहार बता रहे हैं। इस पूरे प्रकरण पर राजनीतिक पार्टियां जमकर सियासत कर रही हैं।

भाजपा नेता और यूथ आइकन प्रदीप सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि भाजपा नेता कर्मचारियों की शिथिलता की बात करने गए थे, जिसके कारण उन पर मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने की बात कही। उनके पोस्ट पर लोगों ने टिप्पणी की कि ष्भाजपा नेता हार गए, अधिकारी आखिर जीत गए। एक अन्य टिप्पणी में राघवेंद्र सिंह ने कहा कि जब भाजपा के मंडल अध्यक्ष के साथ ऐसा हो रहा है, तो अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ क्या होता होगा। समाजसेवी सचिन सिंह ने भाजपा नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए कि वे अपने नेताओं की मदद नहीं कर पाए और रील बनाने में व्यस्त हैं। सपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष राहुल बादल ने भी पोस्ट कर कहा कि अगर सपा की सरकार होती तो जनहित के मुद्दे पर किसी कार्यकर्ता का अपमान करने की हिम्मत किसी अधिकारी की नहीं होती।

हाईस्कूल में 12, इंटर में 660 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

संवाददाता–गोरखपुर। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में गुरुवार को प्रथम पाली में 14 और द्वितीय पाली में 165 परीक्षा केंद्रों आयोजित की गई। प्रथम पाली में हाईस्कूल की सिंधी भाषा तथा इंटरमीडिएट में कृषि भौतिकी एवं जलवायु विज्ञान एवं कृषि जन्तु विज्ञान की परीक्षा हुई। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट भूगोल विषय की परीक्षा हुई। हाईस्कूल में कुल 185 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 173 उपस्थित रहे और 12 ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं इंटरमीडिएट में 11,255 परीक्षार्थियों में से 10,595 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 660 अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज स्थित कंट्रोल रूम से की गई।

दुकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। प्रेमनगर निवासी सुनील सागर की जंगल रामगढ़ स्थित दुकान का ताला तोड़कर चोर करीब चार लाख रुपये का सामान और 25 हजार रुपये नगद चोरी कर लिया। सुबह पड़ोसी दुकानदार ने घटना की सूचना दी। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 343/2025
श्रीमती उमा देवी
बनाम
निशान्त सिंह
1– निशान्त सिंह पुत्र दिनेश कुमार सिंह ग्राम महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 02–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

यूजीसी एक्ट लागू करने की मांग, भेदभाव और आत्महत्या रोकने के लिए राष्ट्रपति को ज्ञापन

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के पास अम्बेडकर प्रतिमा प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर यूजीसी एक्ट 2026 को लागू करने की मांग की। गुरूवार को पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय कुमार मौर्या ने बताया कि यूजीसी एक्ट 2026 भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और संविधान सम्मत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के साथ होने वाले जातीय अपमान और भेदभाव को रोकने में सहायक होगा।

मौर्या के अनुसार यह विधेयक भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 18, 21 और 21–क के तहत समानता, गरिमा और शिक्षा के अधिकार की भावना को सुदृढ़ करता है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक मानकों का एकीकरण, प्रशासनिक उत्तरदायित्व और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना है।इस एक्ट का लक्ष्य रोहित वेमुला, डॉ. पायल तड़वी और आईआईटी छात्र दर्शन सोलंकी जैसी घटनाओं को रोकना है, ताकि कोई भी शिक्षार्थी ऐसी दुखद परिस्थितियों का शिकार न बने।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में कम से कम 27 से 30 छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें आईआईटी कानपुर से सर्वाधिक 9 मामले सामने आए हैं। हाल ही में 4 फरवरी 2026 तक आईआईटी बॉम्बे में आत्महत्या का एक नया मामला सामने आया था।

इससे पहले 20 जनवरी 2026 को आईआईटी कानपुर में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी। राज्यसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2023 तक उच्च शिक्षण संस्थानों में कुल 75 आत्महत्याएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 25 आईआईटी, 25 एनआईटी और 25 केंद्रीय विश्वविद्यालयों से हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com